

**Title:** Demand to investigate the corruption charges levelled against an ex-minister.

**श्री राजीव प्रताप रूडी (छपरा) :** अध्यक्ष महोदय, आज देश के लोग भ्रष्टाचार से बहुत चिंतित है। वह पार्टी जिसने 40 साल तक देश में राज किया, उसकी गलत नीतियों का नतीजा इस सरकार को सहन करना पड़ रहा है। मैं भी इससे घोर चिंतित हूँ। मैं आज सदन का ध्यान एक विशेष मुद्दे की तरफ आकर्षित करना चाहता हूँ। अखबार में एक समाचार छपा कि कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता जो पूर्व में मंत्री थे, उनके खिलाफ पेट्रोल पंप के बंटवारे के 11 केस चल रहे हैं। उन्होंने देश का बहुमूल्य फॉरेन एक्सचेंज दूसरे देश में स्थानांतरित किया। वह उनके परिवार के लोगों के नाम स्थानांतरण हुआ। फेरा रैगुलेशन का वॉयलेशन बड़े पैमाने पर पूर्व के एक मंत्री द्वारा किया गया। ऐसा समाचार अखबारों में प्रकाशित हुआ है। यह भ्रष्टाचार का मामला है। यहां लगातार भ्रष्टाचार के मामले उठाए जाते हैं। आज से चार दिन पहले " इंडियन एक्सप्रेस" में यह समाचार प्रकाशित हुआ था। (व्यवधान)

**श्री रघुनाथ झा (गोपालगंज) :** मंत्री का नाम बता दें।

**श्री राजीव प्रताप रूडी :** मंत्री का नाम सदन में नहीं बोला जा सकता। अब वह मंत्री भी नहीं हैं। यह विषय बहुत गम्भीर है। इस मामले की जांच चल रही है लेकिन मुझे चिन्ता है कि देश का फॉरेन एक्सचेंज बेनामी नाम पर और उनके परिवार वालों के नाम पर दूसरे देश में भेजा जा रहा है। भ्रष्टाचार में लिप्त ऐसे लोग आज राजनीति में हैं और हमारी सरकार के ऊपर आरोप लगाते हैं। मैं मांग करना चाहूंगा कि दूध का दूध और पानी का पानी हो जाए। (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Now, Shri Pravin Rashtrapal will speak.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: No, no; I have called Shri Pravin Rashtrapal.

...(Interruptions)

SHRI PRAVIN RASHTRAPAL (PATAN): Mr. Speaker, Sir, I want to raise a very serious matter. ...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Please understand that other hon. Members have also to raise important matters.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record except what Shri Rashtrapal says.

(Interruptions) \*

MR. SPEAKER: You have raised the matter. Why are you disturbing the proceedings of the House?

...(Interruptions)

**श्री राजीव प्रताप रूडी :** अध्यक्ष महोदय, यह बहुत सीरियस मैटर है। (व्यवधान) .. यह भ्रष्टाचार का मामला है। (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Other hon. Members have yet to raise important matters. Now, Shri Pravin Rashtrapal will speak.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: No, no; I have called Shri Rashtrapal.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: You are not allowing a Member from your Party.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri Rudy, you should not show it like that.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Please allow others to speak.